



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस वि.वि. में लगेगा सौर ऊर्जा संयंत्र, सालाना होगी 20 लाख की बचत

फरीदाबाद, 11 दिसम्बर (महादेव गोयल) : जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, काइपमैटेप, फरीदाबाद का परिसर जब्त ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारापरिक सोले से स्वच्छ ऊर्जा को और एक बड़ा कदम उठाते हुए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर परिसर कपड़ों के साथ समझौते किया है। जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कूलसांचव प्रो. दिनेश कुमार की समझौते में कूलसांचव डॉ. सुलो



उपरान्त समझौते के तहत कानूनी टर्मिनली आधार पर 266 ग्रिलेबट के लॉटी सोलर प्लॉट को सूख करेंगे और उन्हें 25 वर्षों तक उत्तरा ऊर्जा सोलर प्लॉटों (रेकोर्ड) के बैंकिंग पर इनका संचालन और स्टर्टस्पाइव करेंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय को लोई लागत नहीं आयेगी। उत्तरा ऊर्जा सोलर प्लॉटों (रेकोर्ड) के बैंकिंग के तहत संयंत्र से ऊर्जा होने वाली विज्ञानी वै आमूल विश्वविद्यालय को उन्हें 25 वर्षों तक 3.30 लाप्ते प्रति घुरुंगी की लागत से लेंगी।

- सोलरी सिंह, परियोजना अधिकारी, हेड्रा

कुमार गंगा द्वारा व्यौत्तिकिरण एनजी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोसी सरकार के नीचे एवं नवीकरणीय एनजी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विद्युत प्रयोजन माध्यम संस्था है, जोकि विकास एजेंसी (हॉडा) के सहयोग से साथ समझौता किया गया। समझौते के अंकांत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नीचे एवं नवीकरणीय एनजी प्राइवेट लिमिटेड ने कहा वहान को जाएगी। उद्देश्य कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी कूलसांचव के लिए लगाया जायेगा। और रुक्खाखाल की लागत कंपनी द्वारा कूलपात्र प्रो. दिनेश कुमार ने कहा वहान को जाएगी। उद्देश्य कहा कि यह विश्वविद्यालय का उत्तर्य गूंज कैम्पस तह से निःशुल्क होगा। क्योंकि इस पहल को बढ़ावा देना है उन्होंने कहा

कि प्रसारित सोलर प्लॉट से विज्ञानी में मुख्य रूप से प्रशासनिक क्वार्ट, उत्पादन न करने विश्वविद्यालय के शोधकारक, क्लिनिक और शक्तिमान सभागां जैसी प्राचीन इमारतों पर सौर विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिलन' को भी पूरा करेंगा और साथ ही उनके बैंकिंग से परियोजना अधिकारी विश्वविद्यालय के लिए आज की पहचान होगी। इस को अपार्टमेंट को सबसे अधिक अवधार पर निरक्षक इंडस्ट्री रिलाइन-इंडस्ट्री यौगिकों, पर्सनल कमांड अवधार का आर्थिक विकास का आधार सौर ऊर्जा सोलर प्लॉट का आधार है। इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा सोलर प्लॉट की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उत्थान जा सकता। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जोकि हिंदू टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी।

पंजाब के सर्वीस

है-पेपर

Sat, 12 December 2020

Edition: faridabad kesari, Page no. 1



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

PUNJAB KESARI

'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' विश्वविद्यालय ने ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता

विवि में लगेगा 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र, सालाना होगी 20 लाख की बचत

फरीदाबाद, राकेश देव (पंजाब केसरी): जे.सी. बीस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाइएसीए, फरीदाबाद का परिसर जल्द ही सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए आज अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनजी कंपनी के साथ समझौते किया है, जिसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।

कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनजी मूर्वर्ड प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनजी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया गया। समझौते के अंतर्गत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लाट लगाया जायगा। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह सेनिःशुक्त



● विश्वविद्यालय को 25 वर्षों तक मिलेगी रियायती दरों पर बिजली, 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' होगा पूरा

● विवि को ग्रीन कैंपस के रूप में विकसित करना है लक्ष्य: प्रो. दिनेश

होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा वहन की जाएगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है। इसी के दृष्टिकोण सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और

प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही उनके कार्बन उत्पादन भी कम होगा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय को हाल ही में अपने भवन में ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य स्तरीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार में

प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कुलसचिव डॉ. एम.स. गर्ग ने कहा कि कंपनी ने विश्वविद्यालय परियर में मूल्य रूप से प्रशासनिक ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां एक बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

इस समझौते के अनुसार सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना का कार्य मार्च, 2021 के अंत तक पूरा हो जाएगा और अप्रैल 2021 से इसका उपयोग किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय को सौर ऊर्जा टैरिफ दरों पर मिलेगी, जिसे ग्रिड टैरिफ से सस्ती होगी। सौर ऊर्जा का विकल्प चुनने पर विश्वविद्यालय की सालाना कम से कम 20 लाख रुपये की बचत होगी। इस समय विश्वविद्यालय का मासिक बिजली बिल प्रतिमाह औसतन 8 लाख रुपये आता है। हरेडा के परियोजना अधिकारी श्री सोमबीर सिंह ने बताया कि इस समझौते के तहत कंपनी टर्नकी आधार पर 266 किलोवाट के रूफटॉप सोलर प्लांट को शुरू करेगी और अगले 25 वर्षों तक अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (रेस्को) के मॉडल पर इसका संचालन और रखरखाव करेगी।

पंजाब केसरी Sat, 12 December 2020
mpaper.punjabkesari.com/c/56974089





NEWS CLIPPING: 12.12.2020

IHNDUSTAN

विषयविद्यालय ने ग्रिड कनेक्टेड लाफ्टरॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए किया समझौता, योजना के तहत 266 किलोवाट धरमता का संयंत्र लगाया जाएगा।

वाईएमसीए विश्वविद्यालय का परिसर नए साल में पूरी तरह सौर ऊर्जा से लैस होगा



प्राचीनतात्र | कार्यालय संवादात्

ऊर्जा विभाग, हायिनिया अक्षय ऊर्जा विकास पर्यावरणी (हरेंडा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड इंटेरनेट रूफटॉप एसपीएस पावर प्लाट लगाया जाएगा। ये विश्वविद्यालय लिए पूरी तरह से नियन्त्रित होंगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संरचना की स्थापना, संचालन और खरपतवार को लागत कंपनी ही बहन करेगी।

ग्रीन कैपस को बढ़ावा देना
मक्सद: कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैपस पहल को बढ़ावा देना है। के चलते सौर ऊर्जा के माध्यम बिजली की मांग को पूरा करने वे

मार्च 2020 तक होगा योजना का काम पूरा

25 सालों तक निरेगी विधि को कठन दर्ते पर बिजली
दृढ़ाग्रा के पर्यावरणीय अधिकारी शांखेश्वर रेस के इस एवं मानवता के लिए तात्पुरता के लिए निर्णय लिया था। उन्होंने अपनी आवाज से बड़ी किलोवाट के लिए नियम संशोधन दर्ता कर दिया था। यह शुरू कराये और अपने 25 वर्षों तक अब तक जल संकट का पानी हो गया। अब विधि की मांग बढ़ी। इसके लिए भौमिका पर एक संस्थान और राज्य सरकार ने एक विधि की ओर आवाज नहीं दिया। अपनी जल संकट की ओर राज्य सरकार ने इसके लिए एक विधिवाली विधि लिया। अपने 25 वर्षों का तो 3.30 रुपये लिया गया था। जलों की लागत से होती है। योंके नियंत्रण के द्वारा इन्हें बचाया गया। शांखेश्वर, एसएसडी अनेक द्रुतागत रूप से अपनी अधिकारीयों को नियुक्त कर दिया।

बालिक विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ
ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करना और
साथ ही उत्तेक कार्बन डास्टरन भी
कम होगा। हाल ही में अपने घरन में

ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को बढ़ा
देने के लिए गज्ज सरमीय ऊर्जा
संरक्षण पुरस्कार में विश्वविद्यालय
को प्रथम पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।



NEWS CLIPPING: 12.12.2020

THE PIONEER

जेसी बोस विश्वविद्यालय अगले साल सौर बिजली से जगमग होगा

**विश्वविद्यालय परिसर
अप्रैल 2021 के बाद
पूरी तरह सौर ऊर्जा
पर संचालित होगा**

प्रायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

फरीदाबाद के जेसीबोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा पर चलेगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए गुरुवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया है। विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा।



विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुबई प्राइवेट लिमिटेड के साथ (हरेढा) के सहयोग से विश्वविद्यालय में 266 किलोवाट क्षमता के ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप एसपीवी पावर प्लांट लगाया जायेगा।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए पूरी तरह से निःशुल्क होगा क्योंकि इस सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना, संचालन और रखरखाव की लागत कंपनी द्वारा हरियाणा सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग, हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी परिसर में मुख्य रूप से प्रशासनिक

ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक और शकुंतलम सभागार जैसी प्रमुख इमारतों पर सौर पैनल स्थापित करने के लिए जगह की पहचान की है, जहां बिजली की आपूर्ति की सबसे अधिक आवश्यकता होती है।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य ग्रीन कैंपस पहल को बढ़ावा देना है। इसी के मद्देनजर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली की मांग को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कई भवनों की छतों पर खाली जगहों का उपयोग सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए करने की इच्छा व्यक्त की गई थी और प्रस्ताव दिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन न केवल विश्वविद्यालय के बिजली बिलों को कम करेगा, बल्कि विश्वविद्यालय के 'स्वच्छ ऊर्जा मिशन' को भी पूरा करेगा और साथ ही कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 12.12.2020

AMAR UJALA

सौर ऊर्जा से संचालित होगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए का परिसर जल्द ही पूरी तरह सौर ऊर्जा युक्त हो जाएगा। विश्वविद्यालय ने ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत से स्वच्छ ऊर्जा की ओर एक बड़ा कदम उठाते हुए शुक्रवार को अपने परिसर में ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए एक सोलर एनर्जी कंपनी के साथ समझौता किया। इसके अनुसार विश्वविद्यालय परिसर अप्रैल 2021 के बाद पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर संचालित होगा। विश्वविद्यालय परिसर में 266 किलोवाट क्षमता का संयंत्र लगाए जाने के बाद इससे करीब 20 लाख रुपये सालाना बचत होगी। कुलसचिव प्रो. दिनेश कुमार की उपस्थिति में कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग द्वारा ज्योतिकिरण एनर्जी मुंबई प्राइवेट लिमिटेड जोकि सनसोर्स एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की एक विशेष प्रयोजन माध्यम संस्था है, के साथ समझौता किया। ब्यूरो।

